Pol. Sc. (H) Part I (1)
Paper - II
भारतीय राजनीतिक चिन्तन

(1) विश्व की प्राचीनतम पुस्तक है:

Ans — ऋग्वेद

(2) 'ब्रह्म समाज' की स्थापना किसने की थी?

Ans — राजा राम मोहन राय

(3) "विदेशी राज्य से, चाहे वह कितना ही अच्छा क्यों न हो, स्वदेशी राज्य चाहे उसमें कितनी ही त्रुटियाँ क्यों न हो, श्रेष्ठ होता है।" यह कथन किसका है?

Ans — स्वामी दयानन्द

(4) राज्य की उत्पत्ति के सम्बन्ध में कौटिल्य द्वारा प्रस्तुत विवरण, किस सिद्धान्त को व्यक्त करता है?

Ans — संविदा सिद्धान्त

(5) "राजा के लिए प्रजा के सुख से भिन्न अपना कोई सुख नहीं है, प्रजा के सुख में ही उसका सुख है।" यह कथन किसका है?

Ans — कौटिल्य

(6) दयानन्द ने वेदों में वर्णित ज्ञान के विशाल भण्डार को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया है। वह क्या है?

Ans — विज्ञान, कर्म, उपासना व ज्ञान

(7) स्वामी दयानन्द सरस्वती के समस्त चिन्तन का मूल स्रोत और आधार है-

Ans — वेद

(8) "मेरे धर्म का सार शक्ति है। जो धर्म हृदय में शक्ति का संचार नहीं करता वह मेरी दृष्टि में धर्म नहीं है..." यह कथन किसका है?

Ans — स्वामी विवेकानन्द

(9) 'गीता-रहस्य' की रचना किसने की :-

Ans :— बाल गंगाधर तिलक

(10) गोपाल कृष्ण गोखले के राजनीतिक विचारों का प्रमुख स्वर है :-

Ans — उदारवाद

(11) गोपाल कृष्ण गोखले की राजनीतिक विचारधारा का लक्ष्य था —

Ans — भारत के शासन में भारतीयों के वास्तविक नियन्त्रण के लिए राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक सुधार।

(12) "राष्ट्रवाद उदात्त तथा दैवी शक्ति का प्रतीक है।" यह कथन किसका है?

Ans — अरविन्द घोष

(13) राजनीतिक व्यवस्था के सन्दर्भ में गाँधीजी का अंतिम आदर्श प्रतिमान है :-

Ans — विकेन्द्रित ग्राम स्वराज्य

(14) मानवेन्द्र नाथ राय का बुनियादी लोकतंत्र आधारित है —

Ans — सत्ता के विकेन्द्रीकरण पर